

# Tartalomjegyzék

|  |     |
|--|-----|
| Előszó .....   | 5   |
| MONDÁK, NOVELLÁK, BALLADÁK .....                     | 7   |
| Mondák .....   | 8   |
| A monda műfaja .....                                 | 8   |
| <i>Beckó vára</i> .....                              | 10  |
| <i>Munkács vára</i> .....                            | 14  |
| Lázár Ervin: <i>Lehel kürtje</i> .....               | 20  |
| Lázár Ervin: <i>A kovács</i> .....                   | 25  |
| Népballadák .....                                    | 30  |
| <i>Kőműves Kelemen</i> .....                         | 30  |
| Műballadák .....                                     | 38  |
| Vörösmarty Mihály: <i>A buvár Kund</i> .....         | 38  |
| Arany János: <i>A walesi bárdok</i> .....            | 41  |
| Arany János: <i>Mátyás anyja</i> .....               | 48  |
| Összefoglalás: mondák, balladák .....                | 52  |
| ELBESZÉLŐ KÖLTEMÉNYEK .....                          | 53  |
| Fazekas Mihály: <i>Lúdas Matyi</i> (részlet) .....   | 54  |
| Első levonás .....                                   | 54  |
| „Éljen hát a hős vezér magzatja” .....               | 61  |
| Vörösmarty Mihály: <i>Szép Ilonka</i> .....          | 61  |
| Összefoglalás: <i>Lúdas Matyi, Szép Ilonka</i> ..... | 71  |
| ARANY JÁNOS: TOLDI .....                             | 73  |
| Arany és Petőfi barátsága .....                      | 74  |
| Petőfi Sándor: <i>Arany Jánoshoz</i> (részlet) ..... | 75  |
| Arany János: <i>Válasz Petőfinek</i> .....           | 78  |
| Arany János: <i>Toldi</i> .....                      | 80  |
| <i>Előhang</i> .....                                 | 80  |
| <i>Első ének</i> .....                               | 82  |
| <i>Második ének</i> .....                            | 88  |
| <i>Harmadik ének</i> .....                           | 94  |
| <i>Negyedik ének</i> .....                           | 98  |
| <i>Ötödik ének</i> .....                             | 105 |
| <i>Hatodik ének</i> .....                            | 110 |
| Első részösszefoglalás .....                         | 119 |
| <i>Hetedik ének</i> .....                            | 120 |
| <i>Nyolcadik ének</i> .....                          | 125 |
| <i>Kilencedik ének</i> .....                         | 131 |
| <i>Tizedik ének</i> .....                            | 138 |
| <i>Tizenegyedik ének</i> .....                       | 147 |
| <i>Tizenkettedik ének</i> .....                      | 154 |



|   |            |
|---|------------|
| Második részösszefoglalás .....                                       | 162        |
| Összefoglalás .....   | 164        |
| <b>A KÖLTÉSZET ÜZENETE .....</b>                                      | <b>169</b> |
| Verspárok .....   | 170        |
| <i>Annyi bánat</i> (népdal) – József Attila: <i>Ringató</i> .....     | 170        |
| <i>Elindultam szép hazámból</i> – Csanádi Imre: <i>Hazátlan</i> ..... | 171        |
| <i>Felszállott a páva</i> (népdal) – .....                            | 173        |
| Ady Endre: <i>Fölszállott a páva</i> .....                            | 174        |
| Ady Endre: <i>Karácsony</i> – .....                                   | 175        |
| József Attila: <i>Bettlehemi királyok</i> .....                       | 177        |
| „Az ’enyim’, a ’tied’ mennyi lármát szüle” .....                      | 179        |
| Csokonai Vitéz Mihály: <i>Zsugori uram</i> .....                      | 180        |
| Csokonai Vitéz Mihály: <i>Tartózkodó kérelem</i> .....                | 183        |
| Csokonai Vitéz Mihály: <i>A Reményhez</i> .....                       | 184        |
| Régi érzések – új versek .....  | 188        |
| Ady Endre: <i>A föl-földobott kő</i> .....                            | 188        |
| Illyés Gyula: <i>A tárgyakkal</i> .....                               | 191        |
| Versek az édesanyához .....   | 193        |
| József Attila: <i>Mama</i> .....                                      | 193        |
| Csoóri Sándor: <i>Anyám fekete rózsá</i> .....                        | 195        |
| Összefoglalás: lírai műfajok .....                                    | 198        |
| <b>KALANDOK, HŐSÖK, REGÉNYEK .....</b>                                | <b>199</b> |
| Daniel Defoe: <i>Robinson Crusoe</i> (részlet) .....                  | 200        |
| Harper Lee: <i>Ne bántsátok a feketerigót!</i> (részlet) .....        | 209        |
| Christine Nöstlinger: <i>A cseregyerek</i> (részlet) .....            | 220        |
| Nógrádi Gábor: <i>Gyerekrablás a Palánk utcában</i> (részlet) .....   | 226        |
| Gion Nándor: <i>Postarablók</i> (részlet) .....                       | 236        |
| Összefoglalás: kalandok, hősök, regények .....                        | 245        |
| <b>GÁRDONYI GÉZA: EGRI CSILLAGOK .....</b>                            | <b>247</b> |
| Szerző és műve .....  | 248        |
| <i>Egri csillagok</i> .....   | 249        |
| <i>Első rész 5. fejezet</i> .....                                     | 250        |
| <i>Második rész 21. fejezet</i> .....                                 | 253        |
| <i>Ötödik rész 16. fejezet</i> .....                                  | 255        |
| Összefoglalás: <i>Egri csillagok</i> .....                            | 258        |
| Kis fogalomtár .....  | 259        |

